# University in News on 29 November 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

## लविवि: प्री पीएचडी में शोधार्थी को अब पढ़ने होंगे तीन पेपर

**नए पीएचडी अध्यादेश में प्रावधान, अभी तक दो पेपर ही पढ़ने होते थे**

**शोध के समय अधिकतम दो सह पर्यवेक्षक हो सकेंगे आवंटित**

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी करने वाले शोधार्थियों को प्री पीएचडी में अब दो के बजाय तीन पेपर पढ़ने होंगे। नए पीएचडी अध्यादेश 2023 में किए गए इस प्रावधान को राजभवन से भी मंजूरी मिल गई है।

अध्यादेश के मुताबिक अभ्यर्थी को शोध के समय अधिकतम दो सह पर्यवेक्षक आवंटित हो सकेंगे। अभी तक इसकी संख्या तय नहीं थी।

प्री पीएचडी में शोधार्थियों को पहला पेपर अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता का पढ़ना होगा, जो 20 क्रेडिट का होगा। दूसरा पेपर अनुसंधान पद्धति का होगा। इसके लिए पांच क्रेडिट तय हैं। तीसरा पेपर विषय क्षेत्र अनुशासन और अनुशासन में नवीन अनुसंधान का दृष्टिकोण होगा। इसके लिए भी पांच क्रेडिट दिए जाएंगे।

**तीन वर्ष में रिटायरमेंट वाले नहीं बनेंगे सुपरवाइजर** :नए पीएचडी अध्यादेश के मुताबिक जिन शिक्षकों की सेवानिवृत्ति में तीन वर्ष से कम का समय बचा है, उन्हें सुपरवाइजर नहीं बनाया जा सकेगा। वर्तमान में सेवानिवृत्ति के एक साल बचने पर भी शिक्षक को रिसर्च स्कॉलर आवंटित कर दिया जाता है। (संवाद)

## अब क्लाउड कम्प्यूटिंग, वेब होस्टिंग सीख सकेंगे विवि के तकनीकी छात्र

संवाद न्यूज एजेंसी

**लविवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में एडब्ल्यूएस क्लाउड क्लब एवं गूगल डेवलपर स्टूडेंट क्लब का उद्घाटन**

क्लाउड क्लब तथा गूगल डेवलपर स्टूडेंट क्लब के उद्घाटन पर मौजूद विद्यार्थी। संवाद

**दीक्षांत सप्ताह का आगाज, विभागों में शुरू हुए कार्यक्रम**

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार से दीक्षांत सप्ताह शुरू हुआ। इसके तहत विभागों में अकादमिक आयोजन हुए। अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में अमेजॉन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) क्लाउड क्लब तथा गूगल डेवलपर स्टूडेंट क्लब का उद्घाटन हुआ।

संकायाध्यक्ष प्रो. एके सिंह ने कहा कि इससे छात्र डेवलपर कम्युनिटी से जुड़कर ओपन सोर्स कम्युनिटी में योगदान दे पाएंगे। क्लब के फैकल्टी एडवाइजर डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि इस क्लब की सहायता से संकाय में अब विद्यार्थियों के लिए क्लाउड कम्प्यूटिंग, मशीन लर्निंग, वेब होस्टिंग, डाटा मैनेजमेंट नेटवर्किंग, विग डाटा मैनेजमेंट, मोबाइल डेवलपमेंट पर कार्यशाला, संगोष्ठियां, क्लाउड कैप, टेक टॉक्स का आयोजन हो सकेगा।

कार्यक्रम में डॉ. अनुपम त्रिपाठी, डॉ. शिखा गौतम, इंजी. गौरव श्रीवास्तव, प्रशांत सिंह, जीशान अली, चन्द्रभान सिंह के अलावा 250 से अधिक शिक्षकों व छात्रों ने प्रतिभाग किया।

### व्याख्यान का आयोजन

समाज कार्य विभाग में समाज कार्य व्यवसाय: चुनौतियां एवं अवसर पर व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता प्रो. संजय भट्ट ने कहा, वर्तमान समय में समाज कार्य के क्षेत्र में काम करने के बहुत अधिक अवसर हैं, पर चुनौतियां भी हैं। हमें नियुक्ता को बाजार बाजार की मांग के अनुसार खुद को तैयार करना होगा। विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप कुमार भारतीय समेत शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे। मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग ने एपी सेन सभागार में विशेष व्याख्यान कराया। इसमें मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. एसजेडएच जाफरी ने 'द रीजन ऑफ अवध: फ्रॉम शरकीस टू द कॉलोनियल टाइम्स' विषय पर विचार रखे। कार्यक्रम में प्रति कुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी, प्रो. पीके घोष, प्रो. अरूप चक्रवर्ती, डॉ. रोशन तकी आदि थे।

### खो-खो मैच और म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता

वाणिज्य विभाग में विभागाध्यक्ष प्रो. राम मिलन के निर्देशन में खो-खो मैच और म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता हुई। म्यूजिकल चेयर में शिक्षकों में विजेता डॉ. मधु भाटिया और शोधार्थियों से अर्पिता सिंह रहीं। कार्यक्रम संचालन डॉ. ज्ञान प्रकाश और डॉ. ऋषि कांत ने किया।

## लविवि अब यूजीसी का श्रेणी-1 विश्वविद्यालय

### ऑनलाइन, दूरस्थ कोर्स शुरू करने के साथ मिलेगी शैक्षणिक स्वायत्तता

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। नैक में ए प्लस-प्लस ग्रेड के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने लविवि को श्रेणी-1 का विश्वविद्यालय का दर्जा दिया है। इससे पूलयू तय शर्तें पूरी करके ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा के पाठ्यक्रम शुरू कर सकेगा। इसके साथ ही उसे अगले स्तर की शैक्षणिक स्वायत्तता भी मिल जाएगी।

लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि भारत में यूजीसी की ओर से मान्यता प्राप्त श्रेणी-1 का संस्थान बनने के कई फायदे हैं। सबसे बड़ा लाभ यूजीसी (मुक्त और दूरस्थ शिक्षा) विनियम 2017 और समय-समय पर हुए संशोधनों के तहत निर्धारित शर्तें पूरी करने पर आयोग की मंजूरी के बिना मुक्त और दूरस्थ शिक्षा मोड में पाठ्यक्रम शुरू कर सकना है। अब लविवि भी यूजीसी की मंजूरी के बिना संबंधित विषयों में नए कोर्स, कार्यक्रम, विभाग और केंद्र शुरू कर सकता है।

इसके अलावा यूजीसी को जानकारी देकर नए डिप्लोमा और प्रमाणपत्र कोर्स शुरू करने, भौगोलिक अधिकार क्षेत्र के अंदर ऑफ-कैंपस केंद्र खोलने, कौशल पाठ्यक्रम शुरू करने, अनुसंधान पार्क-ऊष्मायन केंद्र-विश्वविद्यालय समाज संबंध केंद्र खोले जा सकेंगे।

### रखा सकेंगे विदेशी फैकल्टी

एलयू वीसी ने बताया कि यूजीसी की मंजूरी के बिना ही टाइम हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग, क्यूएस रैंकिंग के शीर्ष 500 में आने वाले किसी भी संस्थान या विश्व प्रसिद्ध रैंकिंग वाले शैक्षिक संस्थान से विदेशी फैकल्टी नियुक्त कर सकते हैं। यहीं, अब विना यूजीसी की अनुमति विदेशी स्टूडेंटस को संख्या बढ़ाई जा सकती है। यह संख्या अनुमोदित परिसर स्टूडेंटस से अधिकतम 20 प्रतिशत होगी।

### स्नातक, परास्नातक कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव

लविवि ने नैक में ए प्लस-प्लस ग्रेड मिलने के बाद दूरस्थ और ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव यूजीसी को भेजा था। इसमें स्नातक और परास्नातक दोनों प्रकार के पाठ्यक्रम शामिल हैं। दूरस्थ और ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए नैक में सर्वोच्च रैंक की जरूरत होती है। अब जब लविवि को श्रेणी-1 का दर्जा मिल गया है तो उसे पाठ्यक्रम शुरू करने में कोई अड़चन नहीं आएगी।

### संकाय को प्रोत्साहित करने में सक्षम बनाती है। डीन एकेडमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने कहा, डीन विश्वविद्यालय पहले से ही

नियमों के अनुरूप नए अभिनव कार्यक्रम शुरू कर रहा था। श्रेणी-1 का दर्जा मिलने के बाद किसी भी नई शुरुआत के लिए औपचारिकताओं की संख्या कम हो जाती है।

NBT PAGE 6

UGC ने दिया श्रेणी-I विवि का तमगा, सिर्फ जानकारी देकर खोल सकेंगे नए विभाग

## नए कोर्स पर खुद फैसले लेगा LU

■ एमबीटी संवाददाता, लखनऊ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से एलयू को श्रेणी-1 मूल्यांकन दिया गया। इससे संस्थान को कई फायदे होंगे। एलयू वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने बताया कि अब जो कोर्स, कार्यक्रम, विभाग, स्कूल व केंद्र खोलने के लिए यूजीसी से अनुमति नहीं लेनी होगी। यूजीसी को जानकारी देकर अनुमोदित डिप्लोमा और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम नए कोर्स भी शुरू कर सकते हैं।

**खोल सकेंगे ऑफ कैंपस केंद्र**

एलयू ऑफ-कैंपस केंद्र खोल सकता है। विदेश में भी ऑफ कैंपस खोलने में दिक्कत नहीं होगी। यूजीसी से अनुमति नहीं लेनी होगी। यहीं नहीं राष्ट्रीय कौशल पंजीयक होने के अनुसार कौशल पाठ्यक्रम शुरू कर सकते हैं। यूजीसी की मंजूरी के बिना स्नातक तथा पीजी कोर्सों के साथ सहोदरों में सेल्फ फाइनेंस मोड में रियर्स फार, ऊष्मायन केंद्र, विश्वविद्यालय समाज संबंध केंद्र खोले जा सकेंगे।

**रखा सकेंगे विदेशी फैकल्टी**

एलयू वीसी ने बताया कि यूजीसी की मंजूरी के बिना ही टाइम हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग, क्यूएस रैंकिंग के शीर्ष 500 में आने वाले किसी भी संस्थान या विश्व प्रसिद्ध रैंकिंग वाले शैक्षिक संस्थान से विदेशी फैकल्टी नियुक्त कर सकते हैं। यहीं, अब विना यूजीसी की अनुमति विदेशी स्टूडेंटस की संख्या बढ़ाई जा सकती है। यह संख्या अनुमोदित परिसर स्टूडेंटस से अधिकतम 20 प्रतिशत होगी।

**डिस्टेंस एजुकेशन भी शुरू कर सकेगा विवि**

एलयू यूजीसी (एक्ट और दूरस्थ शिक्षा) विनियम 2017 और समय-समय पर हुए संशोधनों के तहत निर्धारित सभी शर्तों को पूरा करता है, तो मुक्त और दूरस्थ शिक्षा मोड में पाठ्यक्रम शुरू कर सकेगा। एलयू को उनके ऑफ-कैंपस केंद्रों और अध्ययन केंद्रों की वार्षिक निरीक्षणी से छूट दी जाएगी। एलयू प्रवक्ता डॉ.दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एलयू ने ट्रिमेस्टर, सप्लस्टर, दोहरी डिग्री, ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा पर फोसे सी वर्ष शुरू कर दिया था।

लखनऊ विवि के दीक्षांत समारोह से पहले चल रहे कार्यक्रम के तहत शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से पांच दिवसीय खेल प्रतियोगिता शुरू हुई।

### दीक्षांत सप्ताह में खेल संग गंभीर चर्चा

■ एमबीटी सेवादाता, लखनऊ: एलयू के 66वें दीक्षांत सप्ताहके मंगलवार को दीक्षांत समारोह की शुरुआत हुई। पहले दिन कई विभागों की ओर से प्रोफेसरों, व्याख्यान और कार्यशालाएं हुईं। एलयू में दीक्षांत सप्ताह के पहले दिन शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से पांच दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इसमें इंटरमुरल का उद्घाटन प्रो. कुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी ने किया। इस दौरान वॉलीबाल व फाइनेंस के मैच खेले गए। पहले मैच अनुमति के बिना खेले गए। वहीं, वाणिज्य विभाग में खो-खो मैच और म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता हुई। प्रो. संजय कुमार ने बताया कि सत्र 2021-22 व 2022-23 के शोधार्थियों ने खो-खो प्रतियोगिता में भाग लिया। सत्र 2022-23 के शोधार्थी विजेता रहे। वहीं शिक्षकों व शोधार्थियों ने म्यूजिकल चेयर में प्रतिभाग किया।

**NBT Lens** — सभंदिता खबरों के अंदर की बात

**अनुमति के चलते नहीं होगी देरी**

कई शैक्षणिक गतिविधियों के लिए एलयू को पहले यूजीसी और सरकार से अनुमति लेनी होती थी। यूजीसी की टीम अनुमति के लिए ग्राउंड विजिट भी कर करती थी। इसके अलावा भी कई अन्य पहेलियों से गुजरना होता था। अब यह दिक्कत नहीं होगी। पहले लिया अनुमति के लिए महीनों इंतजार करना पड़ता था। अब एलयू खुद ही फैसला ले सकेगा। एलयू का एक-दो महीने में सकता हो गया है। यूजीसी सरकार से अनुमति दी लेनी ही होगी। लगातार बिना सरकार की अनुमति के एलयू कई शैक्षणिक गतिविधियां शुरू नहीं कर सकता है।

**अवध के इतिहास पर भी हुई बात**

मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग की तरफ से एपी सेन सभागार में दीक्षांत पूर्व समारोह सप्ताह के उपलक्ष्य में एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एसजेडएच जाफरी द्वारा द रीजन ऑफ अवधध: फ्रॉम शरकीस टू द कॉलोनियल टाइम्स विषय पर दिया गया। इस कार्यक्रम में प्रति कुलपति एवं अधिष्ठाता, कला संकाय प्रो.अरविंद अवस्थी, प्रो.पीके घोष, प्रो.अरूप चक्रवर्ती, डॉ.रोशन तकी सहित लविवि के विभिन्न विभागों और संबद्ध कॉलेजों के शिक्षकगण, विद्यार्थी सहित करीब 300 लोगों ने सहभागिता की। स्वागत भाषण मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग की विभागाध्यक्षा प्रो.शमा महमूद ने किया। प्रो.जाफरी ने अवध के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए अवध के संदर्भ में 1857 के विप्लव और उसके परिणामों पर विस्तार से चर्चा की। व्याख्यान के अन्त में एक अंतर संवादात्मक सत्र हुआ,जिसमें प्रो.जाफरी ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर दिए। कार्यक्रम के अन्त में विभाग की असिस्टेंट प्रो.डॉ.मनीषा ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया।

**बाजार की मांग के अनुसार तैयार हों**

मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग ने सप्ताह वर्ग व्याख्यान: चुनौतियां एवं अवसर पर व्याख्यान हुआ। दिल्ली स्कूल ऑफ सोशल वर्क के पूर्व विभागाध्यक्ष व प्रो. संजय भट्ट ने कहा कि नौकुटा समय में समाज वर्ग के क्षेत्र में वर्ग करने के बहुत अधिक अवसर हैं। वर्ग करने के लिए नौकर की मांग के अनुरूप वैज्ञा होने होगा। वहीं, वाणिज्य विभाग में खो-खो मैच और म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता हुई। वाणिज्य विभाग में शिक्षकों में विजेता डॉ. मधु भाटिया व शोधार्थी में अर्पिता सिंह रहीं। कार्यक्रम संचालन डॉ. ज्ञान प्रकाश और डॉ. ऋषि कांत ने किया।

i-NEXT PAGE 4

## एलयू में दीक्षा समारोह सप्ताह का आगाज

**द्वितीय परिसर में संस्कृति सुरभि के अंतर्गत कई कालेजों के विद्यार्थी हुए शामिल**

LUCKNOW (28 Nov): लखनऊ विश्वविद्यालय दीक्षा सप्ताह की शुरुआत मंगलवार से हो गई. जानकीपुरम स्थित द्वितीय परिसर में खेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का महाकुंभ 'संस्कृति सुरभि' के 13 वें संस्करण का शुभारंभ हुआ. इसमें पहले दिन विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं, जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. सुबह नौ बजे कार्यक्रम की शुरुआत परिसर के निदेशक प्रो. बीडी सिंह ने की. उन्होंने कहा कि नृत्य, गायन, साहित्य प्राचीन भारतीय सभ्यता की धरोहर हैं। उसको बड़े स्तर पर बच्चों के माध्यम से समाज तक पहुंचाना एवं इसका विकास करना हर शिक्षण संस्थान का कर्तव्य है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर प्रो. सतीश पांडेय, डा. उग्रसेन वर्मा सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

**प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा** : सुबह आठ बजे से प्रतियोगी छात्रों का जमावड़ा विश्वविद्यालय परिसर में लगना शुरू हो गया। पहले दिन फुटबाल, वालीबाल एव बैडमिंटन की प्रतियोगिताएं हुईं। इसमें विजेता टीमें अपने नाकआउट मुकाबले खेलेंगी। विधि संकाय में हिंदी व अंग्रेजी भाषा में हुई पोयट्री टेलिंग प्रतियोगिता में 100 से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया।

**दिखाई अपनी प्रतिभा**

पहले दिन फुटबाल, वालीबाल एव बैडमिंटन की प्रतियोगिताएं हुईं. इसमें विजेता टीमें अपने नाकआउट मुकाबले खेलेंगी. विधि संकाय में हिंदी व अंग्रेजी भाषा में हुई पोयट्री टेलिंग प्रतियोगिता में 100 से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया. ज्यूरिष हाल में आयोजित एकल नृत्य का योग्यता राउंड में 150 से अधिक छात्र-छात्राओं ने अपने नृत्य कला का प्रदर्शन किया.

**प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा**

**यहां हुआ व्याख्यान**

मध्य कालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग की ओर से एपी सेन सभागार में विशेष व्याख्यान हुआ. दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के पूर्व हेड प्रो. एस जेड एच जाफरी ने 'द रीजन आफ अवध : फ्राम शरकीस टू द कालोनियल टाइम्स' विषय पर विचार रखे. समाज कार्य विभाग ने 'समाज कार्य व्यवसाय : चुनौतियां एवं अवसर' विषय पर व्याख्यान में प्रो. संजय भट्ट ने अपनी पेशेवर यात्रा की रोचक कथा साझा की.

HT PAGE 4

## LU BAGS UGC'S CATEGORY-I RANKING

**LUCKNOW:** The University of Lucknow (LU) secured a Category-I ranking from the University Grants Commission (UGC) on Tuesday, marking another milestone for the institution that celebrated its 103rd foundation day last week. LU, having secured an A++ grade by NAAC last year, holds a position in the NIRF top 101-150.

The UGC categorises universities based on their national and international performance in accreditation and QS rankings. According to LU spokesperson Durgesh Srivastav, attaining Category-I status in India brings various advantages.

Vice chancellor Prof Alok Kumar Rai emphasised the significance, stating, "This is a commendable achievement for the university. Category-I institutions enjoy greater academic and administrative autonomy, enabling them to design their curriculum, make administrative decisions, initiate innovative programs, appoint foreign faculty, and incentivize current faculty." Prof Geetanjali Mishra, dean, academics, highlighted LU's ongoing commitment to innovative programs aligned with UGC regulations.

Advantages include the ability for universities to start new courses, programs, departments, schools, or centers within their existing academic framework without UGC approval. They can also commence diploma and certificate courses in new and innovative areas relevant to local, national, or international needs. Additionally, universities may open constituent units or off-campus centers, start skill courses, and establish research parks and incubation centers, all without UGC approval. HT

HINDUSTAN PAGE 6

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से यह गौरव हासिल करने वाला प्रदेश का पहला विवि

## एलयू को प्रथम श्रेणी का दर्जा, कई सुविधाएं बढ़ेंगी, फैसले ले सकेगा

**उपलब्धि**

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय ने नैक मूल्यांकन के बाद फिर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इसे प्रथम श्रेणी विश्वविद्यालय का दर्जा दिया है। यह गौरव हासिल करने वाला एलयू प्रदेश का पहला विवि बन गया है। इससे विवि अब कई तरह के शैक्षणिक निर्णय खुद ले सकेगा। इसके लिए यूजीसी से अनुमति नहीं लेनी होगी। यूजीसी को जानकारी देकर अनुमोदित डिप्लोमा और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम आवश्यकता अनुसार नए कोर्स भी शुरू कर सकता है। सत्र प्रासंगिक होना जरूरी है।

**विश्वविद्यालय विदेशों में बना सकेगा कैंपस**

एलयू भौगोलिक अधिकार क्षेत्र के भीतर कई इकाइयां या ऑफ-कैंपस खोल सकता है। विदेशों में भी ऑफ कैंपस खोलने में कोई दिक्कत नहीं होगी। राष्ट्रीय कौशल योग्यता ढांचे के अनुरूप कौशल पाठ्यक्रम भी शुरू कर सकता है। यूजीसी की मंजूरी के बिना एलयू या निजी भागीदारी के साथ साझेदारी में स्वविलपोषित माध्यम से अनुसंधान पार्क, ऊष्मायन केंद्र और विवि समाज संबंध केंद्र खोले जा सकेंगे।

बताया कि प्रथम श्रेणी होने से यूजीसी स्तर पर अधिक स्वायत्तता और कम औपचारिकताएं करनी होंगी।

**कोर्स और विभाग के लिए नहीं लेनी होगी अनुमति**

1 लखनऊ विश्वविद्यालय को अब नए कोर्स, कार्यक्रम, विभाग, स्कूल और केंद्र खोलने के लिए यूजीसी से अनुमति नहीं लेनी होगी। यूजीसी को जानकारी देकर अनुमोदित डिप्लोमा और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम आवश्यकता अनुसार नए कोर्स भी शुरू कर सकता है। सत्र प्रासंगिक होना जरूरी है।

**विदेशी शिक्षकों की भर्ती में होगी आसानी**

2 यूजीसी की मंजूरी के बिना टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग, क्यूएस रैंकिंग के शीर्ष 500 में आने वाले किसी भी संस्थान या विश्व प्रसिद्ध रैंकिंग वाले शैक्षिक संस्थान से विदेशी फैकल्टी नियुक्त कर सकता है। यहीं, अब विना यूजीसी की अनुमति विदेशी स्टूडेंटस की संख्या बढ़ाई जा सकती है। यह संख्या अनुमोदित परिसर स्टूडेंटस से अधिकतम 20 प्रतिशत होगी।

**मुक्त और दूरस्थ शिक्षा शुरू करने की आजादी**

4 एलयू यूजीसी (मुक्त और दूरस्थ शिक्षा) विनियम 2017 और समय-समय पर हुए संशोधनों के तहत निर्धारित सभी शर्तों को पूरा करता है तो बिना मंजूरी के मुक्त और दूरस्थ शिक्षा माध्यम में पाठ्यक्रम शुरू कर सकेगा। यहीं नहीं एलयू को उनके ऑफ-कैंपस और अध्ययन केंद्रों की वार्षिक निरतनी से छूट दी जाएगी।

## संस्कृति सुरभि में दिखाया कला कौशल का तालमेल

**महाकुंभ**

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में मंगलवार को पांच दिवसीय खेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के महाकुंभ 'संस्कृति सुरभि' के 13वें संस्करण का शुभारंभ हुआ। इसका उद्घाटन इंजीनियरिंग संकाय के विश्वकर्मा सभागार में द्वितीय परिसर के निदेशक प्रो. बीडी सिंह ने किया। पहले दिन नृत्य, गायन, साहित्य संग फुटबॉल, वालीबॉल और बैडमिंटन की प्रतियोगिताएं हुईं। इस दौरान डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, इं. सतीश पांडेय, डॉ. उग्रसेन वर्मा मौजूद रहे।

**100 से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया:** वहीं विधि संकाय में कविता चायन प्रतियोगिता में हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में कुल 100 से अधिक छात्रों ने प्रतिभाग किया।

**छात्रों ने नृत्य कला का प्रदर्शन किया:** ज्यूरिष हाल में आयोजित एकल नृत्य में 150 से अधिक छात्रों ने अपने नृत्य कला का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक डांस टीचर मोहित व मानसी रहे। जानकारी के अनुसार बता दें कि पांच दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में राजधानी के लगभग सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के तीन हजार से अधिक विद्यार्थी हिस्सा ले रहे हैं।

एलयू के संस्कृति सुरभि कार्यक्रम में मंगलवार को नृत्य करती छात्रा।

**छात्रों को प्री पीएचडी में पढ़ने होंगे तीन पेपर**

लखनऊ। एलयू में पीएचडी करने वाले शोधार्थियों को अब प्री पीएचडी में तीन पेपर पढ़ने होंगे। पहला पेपर 20 क्रेडिट का अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता पढ़ना होगा। दूसरा व तीसरा पेपर पांच-पांच क्रेडिट का अनुसंधान पद्धति और अनुशासन में नवीन अनुसंधान का दृष्टिकोण होगा। बता दें, अभी तक अभ्यर्थियों को दो ही पेपर पढ़ने होते थे।

JAGRAN CITY PAGE III

## यूपी में श्रेणी वन लखनऊ विश्वविद्यालय

ए डबल प्लास के बाद बड़ी उपलब्धि **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग** ने श्रेणी वन विश्वविद्यालय का ग्रेड दिया

आगरा संवाददाता, लखनऊ : राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) से ए डबल प्लस के बाद विश्वविद्यालय के खाते में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रदेश में श्रेणी-वन संस्थान बन गया है। विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा का केंद्र खोलने से लकर विदेशों में भी जरूरत के हिसाब से आफ कैंपस खोल सकेगा। साथ ही आने वाले समय में छात्र हित में विश्वविद्यालय में कई कार्यक्रम शुरू किए जा सकेंगे। नवीनतम की यूजीसी ने इसे टीवी वर्ष शुरू कर दिया था।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को बधाई देते रोहोलियाजी विभाग की हेड डा. रेणुका पांडेय प्रवक्ता डा. दुर्गेश श्रीवास्तव, परीक्षा नियंत्रक रविभानु त्रिपाठी ● लोकमत : लवि

**लवि को अन्य एजेंसियों से अब तक मिली रैंकिंग**

| रैंक | जारी करने वाली संस्था |
|---|---|
| 101-150 | एनआइआरएफ रैंक |
| 651-700 | एशियन यूनिवर्सिटी रैंकिंग |
| 66 | एजुकेशन वर्ल्ड |
| 63 | यूनिवर्सिटी रैंकिंग बाइ एकेडमिक परफार्मेंस |
| 401-500 | द वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग इन एशिया |
| 28 | एडू रैंक |
| 87 | करियर 360 |
| 119 | रैंकिंग वेब आफ यूनिवर्सिटी |
| 74 | नेचर इंडेक्स |

**बगैर अनुमति के कौशल विकास के नए कोर्स खुलेंगे**

- लवि यूजीसी की मंजूरी के बिना संबंधित विषयों में नए कोर्स, कौशल पाठ्यक्रम, विभाग, स्कूल व केंद्र को शुरू कर सकते हैं।
- यूजीसी को जानकारी देकर डिप्लोमा और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम नए और नवीन क्षेत्रों में शुरू किए जा सकते हैं
- विश्वविद्यालय यूजीसी के तहत निर्धारित सभी शर्तों को पूरा करता है, तो मुक्त और दूरस्थ शिक्षा मोड में पाठ्यक्रम शुरू कर सकता है।
- अपने अधिकार क्षेत्र में घटक इकाइयां, आफ कैंपस केंद्र खोल सकेगा।
- स्वयं या निजी भागीदारी के साथ साझेदारी में स्व-वित्तपोषण मोड में अनुसंधान पार्क, ऊष्मायन केंद्र भी खोल सकते हैं।
- टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग, क्यूएस रैंकिंग के शीर्ष पांच सौ में आने वाले किसी भी संस्थान में पढ़ाने वाले विदेशी संकाय को नियुक्त कर सकते हैं।
- विदेशी छात्रों को प्रवेश देने के लिए स्वतंत्र होगा।

**जी-20 देशों में आफ कैंपस खोलने का कुलपति ने दिया प्रस्ताव**

**विदेश में भी ऑफ कैंपस शुरू करने की तैयारी**

कुलपति प्रो. आलोक राय ने बताया कि नैक में ए डबल प्लस की ग्रेडिंग और अन्य इंटरनेशनल एजेंसियों की ओर से मिली रैंकिंग के आधार पर यूजीसी ने यह ग्रेड दिया है। श्रेणी-वन संस्थानों को अधिक शैक्षणिक और प्रशासनिक स्वायत्तता प्राप्त है, जो उन्हें अपने पाठ्यक्रम को डिजाइन करने, प्रशासनिक निर्णय लेने, नवीन कार्यक्रम शुरू करने, विदेशी संकाय नियुक्त करने और वर्तमान संकाय को प्रोत्साहित करने में सक्षम बनाती है। नेचर के अलावा जी-20 के देशों में आफ कैंपस खोलने के लिए प्रस्ताव दिया है। यूजीसी से श्रेणी वन मिलने से इस दिशा में हम तेजी से आगे बढ़ेंगे। छात्रों के हित में जो भी होगा। उसे आगे बढ़ाया जाएगा।

**विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने श्रेणी वन विश्वविद्यालय का ग्रेड दिया**

**विदेश में भी ऑफ कैंपस शुरू करने की तैयारी**

LUCKNOW (28 Nov): राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) से ए डबल प्लस के बाद विश्वविद्यालय के खाते में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रदेश में श्रेणी-वन संस्थान बन गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने यह ग्रेड दिया है। अब विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा का केंद्र खोलने से लकर विदेशों में भी जरूरत के हिसाब से आफ कैंपस खोल सकेगा। साथ ही आने वाले समय में छात्र हित में विश्वविद्यालय में कई कार्यक्रम शुरू किए जा सकेंगे. मंकेगे. नवीनतम की यूजीसी ने इसे लेकर पत्र जारी कर दिया है. इस उपलब्धि के लिए, शिक्षकों ने कुलपति को बधाई दी है. यूजीसी देश भर के विश्वविद्यालयों को उनके राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन के अनुसार और टाइम्स हायर एजुकेशन, क्यूएस रैंकिंग में उनके प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न श्रेणियों में श्रेणी तय करता है. इस बार लखनऊ विश्वविद्यालय को उत्तर प्रदेश में श्रेणी-वन विश्वविद्यालय के रूप में मूल्यांकित किया गया.

**लवि को अन्य एजेंसियों से अब तक मिली रैंकिंग**

| रैंक | जारी करने वाली संस्था |
|---|---|
| 101-150 | एनआइआरएफ रैंक |
| 651-700 | एशियन यूनिवर्सिटी रैंकिंग |
| 66 | एजुकेशन वर्ल्ड |
| 63 | यूनिवर्सिटी रैंकिंग बाइ एकेडमिक परफार्मेंस |
| 401-500 | द वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग इन एशिया |
| 28 | एडू रैंक |
| 87 | करियर 360 |
| 119 | रैंकिंग वेब आफ यूनिवर्सिटी |
| 74 | नेचर इंडेक्स |

**बगैर अनुमति के कौशल विकास के नए कोर्स खुलेंगे**

- लवि यूजीसी की मंजूरी के बिना संबंधित विषयों में नए कोर्स, कौशल पाठ्यक्रम, विभाग, स्कूल व केंद्र को शुरू कर सकते हैं.
- यूजीसी को जानकारी देकर डिप्लोमा और प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम नए और नवीन क्षेत्रों में शुरू किए जा सकते हैं, जो स्थानीय, राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय आवश्यकताओं के लिए जरूरी हो.
- विश्वविद्यालय यूजीसी के तहत निर्धारित सभी शर्तों को पूरा करता है, तो मुक्त और दूरस्थ शिक्षा मोड में पाठ्यक्रम शुरू कर सकता है.
- स्वयं या निजी भागीदारों के साथ साझेदारी में स्व-वित्तपोषण मोड में अनुसंधान पार्क, ऊष्मायन केंद्र भी खोल सकते है.
- टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग, क्यूएस रैंकिंग के शीर्ष पांच सौ में आने वाले किसी भी संस्थान में पढ़ाने वाले विदेशी संकाय को नियुक्त कर सकते हैं.

**आफ कैंपस का प्रस्ताव**

कुलपति प्रो. आलोक राय ने बताया कि नैक में ए डबल प्लस की ग्रेडिंग और अन्य इंटरनेशनल एजेंसियों की ओर से मिली रैंकिंग के आधार पर यूजीसी ने यह ग्रेड दिया है। श्रेणी-वन संस्थानों को अधिक शैक्ष